नवप्रयास से गंगाजल तर करेगा सूखे कंठ, नाले के शोधित जल से बनेगी बिजली

जागरण विशेष
नदियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई दिवस

उप्र के अलीगढ़ जिले के नाले के पानी को अतिरिक्त शोधित कर हरदुआगंज विद्युत संयंत्र करेगा उपयोग

गौरव दुबे • अलीगढ़

जल ही जीवन है और नदियां जल का प्रमुख स्रोत हैं। 14 मार्च को नदियों के लिए अंतरराष्ट्रीय नदी कार्रवाई दिवस मनाया जाता है जिसकी शुरुआत ब्राजील से वर्ष 1997 में हुई थी। इसका उद्देश्य जलापूर्ति की इस मुख्य धारा के सदुपयोग और संरक्षण के बारे में लोगों को जागरूक करने के साथ आवश्यक कदम उठाना भी है। केंद्र सरकार भी देश में जल संरक्षण व इसके सदुपयोग पर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में नवप्रयास किया जा रहा है, जिसमें नाले के जल को अतिरिक्त शोधित कर बिजली बनेगी और बिजली बनने में उपयोग होने वाला गंगाजल लोगों के सूखे कंठ तर करेगा।

केंद्र की है पहल: केंद्रीय ऊर्जा और जल शक्ति मंत्रालय के संयोजन में अलीगढ़ में पानी की बचत के लिए यह पहल हो रही है। अलीगढ़ उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा जिला है, जहां नगर निगम नाले के शोधित जल के बदले पेयजल आपूर्ति के लिए गंगाजल प्राप्त करेगा। नगर निगम सौ एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) नाले का पानी शोधित कर हरदुआगंज विद्युत तापीय परियोजना को देगा।

अलीगढ़ में गिरते भू-जलस्तर की स्थिति में यह योजना वरदान साबित होगी। इसकी शुरुआत के लिए परियोजना के पास 576 करोड़ की डीपीआर बनाकर भेज दी है। वहां से स्वीकृति मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

पंकज रंजन झा, अधिशासी अभियंता, अलीगढ़ जल निगम

हरदुआगंज तापीय विद्युत परियोजना के पास से गुजरती अपर गंग नहर • जागरण

विद्युत तापीय परियोजना जवां स्थित अपर गंग नहर से बिजली उत्पादन के लिए जल लेती है। अब यह नगर निगम लेगा और बिजली संयंत्र को नाले का शोधित जल प्रयोग के लिए देगा। इससे जिले में पेयजल की समस्या का काफी हद तक निदान हो सकेगा। केंद्र की व्यवस्था के अनुसार किसी भी जिले में अगर 50 किमी के दायरे में तापीय विद्युत परियोजना है तो उसे एसटीपी का शोधित जल प्रयोग करना होगा।

बनेगा अतिरिक्त एसटीपी: परियोजना के लिए अलीगढ़ जल निगम ने 576 करोड़ रुपये की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट भेज दी है। अभी नगर निगम के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में नालों का 45 मिलियन लीटर प्रतिदिन जल शोधित होता है। अब यहीं पर 65 एमएलडी का एक और प्लांट बनाने की तैयारी है। इससे यहां नालों का 110 एमएलडी पानी शोधित हो सकेगा। इससे बिजली परियोजना में प्रयोग होने वाला 110 एमएलडी गंगाजल बचाया जा सकेगा, जो पेयजल के रूप में काम आएगा।

भूजल दोहन भी बचेगा: नदियों से सिंचाई व पेयजल की आपूर्ति संग भूजल स्तर भी बेहतर रहने में सहायता मिलती है। अभी अलीगढ़ शहर को आवश्यकता से 121 एमएलडी पानी कम उपलब्ध हो पाता है, लेकिन अब इसकी भरपाई गंगाजल के रूप में हो जाएगी। इसके अलावा भूजल का दोहन भी बच जाएगा।

ऐसे काम करेगी योजना

अलीगढ़ जल निगम एसटीपी पर मेन पंपिंग स्टेशन बनाएगा। यहां से 31 किलोमीटर का राइजिंग मेन (मोटा पाइप) बिछाया जाएगा। जो हरदुआगंज बिजली परियोजना तक जाएगा। इससे परियोजना तक नाले का शोधित जल पहुंचेगा। चूंकि यह बिजली बनाने के लिए उपयुक्त नहीं होगा। अंत: इसे और अधिक शोधित किया जाएगा। इसके लिए परियोजना परिसर में टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट (टीटीपी) भी जल निगम बनाएगा। यहां नाले के पानी को बिजली बनाने लायक करके परियोजना को दिया जाएगा। अपर गंग नहर से पानी शहर तक लाने के लिए भी योजना तैयार कर ली गई है।

हरदुआगंज विद्युत तापीय परियोजना

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

nwda.gov.in